

जल प्रदाय योजनायें ग्रामवासियों और उनके पशुओं को पीने की पानी की सुविधा प्रदान करने में बिल्कुल असफल हैं। ये योजनाएं दोषपूर्ण होने के कारण पूरे पानी की पूर्ति नहीं कर पाती। इन योजनाओं में पिछली जन गणना के आधार पर केवल मनुष्यों के लिए ही पानी का अनुमान लगाया गया है। मनुष्यों की बढ़ी हुई संख्या भी योजना अनुमानों से कहीं अधिक है और पशुओं को तो इन योजनाओं में बिल्कुल ही श्रुमार नहीं किया गया है। परन्तु ग्रामवासियों की आय के खास साधन पशु ही हैं। लगभग पांच पशु प्रति व्यक्ति का औसत है। इन के लिए इन ग्रामीण जल प्रदाय योजनाओं में पानी की व्यवस्था का कोई प्रावधान नहीं किया गया है। कहा जाता है कि केवल मनुष्यों के लिए ही पानी दिया जा सकता है, परन्तु जिन गांवों में ये योजनाएं बनाई गई हैं, उन में पशुओं को पानी पिलाने का अन्य कोई स्रोत नहीं है और इन पशुओं के बिना ये ग्रामवासी जिन्दा नहीं रह सकते, क्योंकि उनकी आजीविका के ये पशु ही आधार हैं। उनके सामने पानी का संकट जल प्रदाय योजना वाले गांवों में समाधान के स्थान पर और गम्भीर हो गया है। अनेक योजनाओं के स्रोत ही समाप्त हो गए हैं। कई योजनाओं में सम्मिलित गांवों तक पानी पहुंचा ही नहीं है, जबकि योजना बने हुए कई वर्ष बीत चुके हैं। अधिकांश योजनाओं में मशीन की खराबी बिजली की कमी, डीजल का अभाव या अन्य कारण बता कर ये अनेक दिनों तक बन्द पड़ी रहती हैं। उसके समाधान के लिए बनाई गई दोषपूर्ण ग्रामीण जल प्रदाय योजनाओं में सुधार कर के योजना अनुमानों में मनुष्यों की बढ़ी हुई संख्या और पशु संख्या को

सम्मिलित कर के जल प्रदाय के लिए सही योजनाएं बनाई जाएं और पुरानी योजनाओं में इस संशोधन को पूरा कर के उन्हें ठीक किया जाए। तभी ये योजनाएं पानी की समस्या का समाधान करने में सफल एवं उपयोगी हो सकती हैं।

मैं आशा करता हूं कि इस गम्भीर समस्या का समाधान किया जाएगा।

(iv) PROBLEMS OF COCOONS AND LAC GROWERS IN BIHAR

SHRI N.E. HORO (Khunti): Lakhs of Tribals and other weaker sections of the population in Chotanagpur plateau region are engaged in rearing silk cocoons and stick lac. These two items are export commodities and earn considerable foreign exchange for the country.

Silk cocoons and lac are grown on trees which generally backing to Government forests. Tribal and other communities had traditional rights to rear them freely without any interference from the Forest Department. In Bihar these traditional rights were recorded rights in the Record of Rights of tenants.

Now, the Government of Bihar in the Forest Department have put restrictions on rearing Cocoon and Lac and are demanding rearing fees.

The Tribals and other growers of Cocoon and Lac are facing financial loss due to erratic market prices controlled by the traders and middlemen. Many growers have taken loans from Banks and they are in arrears in repayment of loans. The growers are not getting remunerative prices and they are compelled to sell their produce of cocoon and lac at throw away prices at great financial loss to them.

I draw the attention of the Commerce Ministry to these facts and demand—

[Shri N. E. Horo]

1. that the traditional right of the Tribal and other communities to grow cocoon and lac on trees of Government forests without hindrance be immediately restored to them; and

2. Minimum prices for cocoon and lac be fixed for the growers in order to protect them from exploitation at the hands of middlemen and unscrupulous traders.

(v) INCREASE IN INCIDENTS OF THEFT AND DACOITY IN TRAINS.

श्री अशोक गहलोत (जोधपुर) : उपाध्यक्ष जी, रेलगाड़ियों में लूटपाट, चोरियों एवं डकैतियों की घटनाएं देश भर में बढ़ती जा रही हैं। यात्रियों के साथ इस प्रकार का दुर्व्यवहार अमूमन रात्रि के समय होता है। कोच में दरवाजें, खिड़कियां व वेस्टी बुल सिस्टम खराब होने की वजह एवं लाइट का इंतजाम पूरी तरह नहीं होने से इन चोरों, लुटेरों व डकैतों को रात्रि के समय बहुत आसानी से रेल यात्रि डिब्बों में प्रवेश करने की आसानी रहती है जहां वे भय एवं आतंक के बीच यात्रियों का सामान व माल लूट कर ले जाते हैं। इस प्रकार की वारदातें अमूमन रिजर्वेशन कोच में भी होने लगी हैं क्योंकि वेस्टी बुल सिस्टम खराब होने की वजह से ये समाज विरोधी तत्व कोच के ऊपर से रात्रि के समय दो कोच के बीच उतर जाते हैं एवं वेस्टी बुल सिस्टम दरवाजे के कांच के अन्दर प्रवेश पा जाते हैं एवं फिर यात्रियों को आतंकित करना व लूटपाट कर चले जाना आम बात हो गयी है। यात्रियों की एफ० आई० आर० भी दर्ज नहीं करने के कारण आम लोगों को आशंका है कि इन समाज विरोधी घटकों से जी० आर० पी० व दूर दराज के जिलों की पुलिस की मिली भगत होने के कारण उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हो पा रही है।

रेवाड़ी-लौहार-परवेशपुर पर जहां 94 डाउन जोधपुर-दिल्ली की गाड़ी आती है एवं दूसरी गाड़ी का क्रॉसिंग होता है वहां पर ये तत्व अपना कुकृत्य कर दूसरी गाड़ी से चले जाते हैं।

हनूमान गढ़ से 10 किलोमीटर दूर तलवाड़ा झील और टी० वी० स्टेशन के बीच भी गत दिनों अज्ञात सशस्त्र लुटेरों ने पिस्तौल व चाकू दिखलाकर रेल में बैठी दो महिलाओं से जेवर व एक आदमी से नकदी व घड़ी छीन ली थी। इसी प्रकार सादूलपुर स्टेशन पर भी डकैती हुई है। उन उपरोक्त डकैतियों से ऐसा लगता है कि यह किसी एक गिरोह का ही कार्य है जोकि इस क्षेत्र में पूरी तरह सक्रिय है एवं आने जाने वाली रेलगाड़ियों में इस प्रकार की वारदातें कर भयमुक्त होकर चले जाते हैं।

मैं इस संबंध में रेल मंत्री से मांग करता हूं कि इस संबंध में तत्काल ध्यान दे कर कड़ी कार्यवाही करें जिसमें यात्रियों में फैल रही असुरक्षा की भावना मिट सके एवं उनके जान माल की हिफाजत पूरी तरह से हो सके।

(vi) ACUTE SHORTAGE OF CEMENT IN BIHAR

श्री लुण्ण प्रताप सिंह (महाराजगंज) : उपाध्यक्ष जी, समूचे बिहार में सीमेंट की भारी कमी है और सभी निर्माण कार्य रुके पड़े हैं। यदि शीघ्र ही बिहार में सीमेंट की सप्लाई स्थिति में सुधार नहीं किया गया तो स्थिति के और खराब होने की सम्भावना है। मैं सरकार से निवेदन करता हूं कि बिहार की ओर तनिक ध्यान दें और शीघ्र वहां सीमेंट उपलब्ध कराया जाये जिससे निर्माण कार्य जारी रह सके और मजदूरों को रोजगार मिलता रहे।